MAHD 1002

M.A. DEGREE EXAMINATION, JANUARY 2021.

First Year

Hindi

PRACHEEN AVEM MADYA KALIN KAVYA

Time : Three hours Maximum : 100 marks

I. किन्हीं पाँच की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (5 × 8 = 40)

1. निसदिन जागि जपथ तुअ नाम, थर थर काँपि पडए सोइ आम।
जमिनि आध आधिक जव होइ, विगलित लाज उठए लब रोइ।
सखिजन जत पर बोदय जाय, तापिनि ताप ततहि तत ताय।।

2. संतो, धोखा कासूं कहिए।
गुन मै निरगुन, निरगुन मै गुन, बाट छांडि कयूँ बहिये।
अजर अमर कर्थ सब कोई, अलर न कथाणा जाई।
नति स्वरूप बरण नहिं जाके घटि घटि रहयो समाई।।

3. महिं पावसे ओहि देसरा, नीहं हेवंत वसंत।
न कोकिल, न पपीहरा, जेहि सुनि आवैकंत।।

4. मैया मोहि दाऊ बहुत खिझायो।

मोसो कहत मोल लीनो तोहि जसुत्ति कब जायो।

कहा कहौ एहि रिस के मारे खेचन हाँ नहिं जातु।

पुनि पुनि कहत कौन है माता को है तुम रो तातु।।

5. अवसि चलिअ बन रामु जहँ भरतु मंत्र भल कीन्ह।

सोकासिंधु बूडत सबहि तुम्ह अवलंबनु दीन्ह।।

6. नहिं पराग नहिं मधुर मधु, नहिं बिकास यहि काल।

अली कली ही सों बँध्ययें, आगे कौन हवाल।।

7. माया महा ठगिनि हम जानी।

तिरगुन फाँसि लिये कर डोलै, बोलै मधुरी बानी।।

केशव के कमला होइ बैठी, सिव के भवन भवानी।

पंडा के मूरत होई बैठी, तीरथ हू में पानी।।

8. फुटल कुसुम नव कुंज कुटिर वन, कोकिल पंचम गावे रे।

मलयनिल हिमसिखर सिधारल, पिया निज देश न आवे रे।

चानन चान तन अधिक उतापए, उपवन अलि उतरोले रे।

समय वसंत कंत तरहु दुर देस, जानल विधि प्रतिकूल रे।

II. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए। $(5 \times 12 = 60)$

9. माधुर्यभाव के कवि के रूप में सुर का मूल्यांकन कीजिए।

10. मानस के आधार पर तुलसी की लोकसंग्रही वृत्ति का स्पष्टीकरण कीजिए।

11. बिहारी के काव्य में कल्पना की समाहार शविर और भाषा की सामासिकता की विशेषता पर प्रकाश डालिए।

12. गीतिकाव्य की कसौटी पर विद्यापति की पदावली का मूल्यांकन कीजिए।

13. कबीर का विद्रोह और समाजदर्शन रूप पर लेख लिखिए।

14. पद्मावत के प्रबंधत्व का मूल्यांकन कीजिए।

15. गीतकार के रूप में सूर की सफलता का मूल्यांकन कीजिए।

16. टिप्पणियाँ लिखिए।

    (a) मानस का वस्तुसंगठन

    (b) बिहारी का श्रृंगारेतर काव्य